अलका शर्मा

बाल गीत

बादल की धमकी वो झेले,
फिर भी आंखमिचौली खेले,
उजियारा जो फैलाता है,
चंदा मामा कहलाता है।

घटता-बढ़ता वो तो जाए,
फिर भी देखो, सबको भाए,
तारों संग जो बतियाता है,
चंदा मामा कहलाता है।

नीले नभ की सैर करे जो,
नैनों को शीतलता दे जो,
मन ही मन जो मुस्काता है,
चंदा मामा कहलाता है।

ग़ज़ल

कभी ना झुकेगा सिपाही,
उठेगा, बढ़ेगा सिपाही।

वतन के छुपे दुश्मनों से,
कभी ना डरेगा सिपाही।

"रहूंगा वतन का हमेशा"
सदा यह कहेगा सिपाही।

शहादत कहीं भी हुई तो,
कभी ना हटेगा सिपाही।

जहां है हिमालय, वहां भी,
हमेशा दिखेगा सिपाही।

शमां की तरह जल रहा है,
कभी ना बुझेगा सिपाही।